वायरल बाबा: रील रसिक बने भरम-भभूत वाले

मोकामा: आपराधिक छवि से उबरने को कसमसाता शहर

क्रिकेट: बुमरा के वर्चस्व का युग

19 फरवरी, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

शाबाश!

बजट 2025

अब रफ्तार बढ़ाने की बारी

मध्य वर्ग को टैक्स में भारी रियायत मिली, अर्थव्यवस्था को खपत बढ़ाने की खुराक और स्वागतयोग्य कई सुधार भी. लेकिन ऊंची वृद्धि दर के लिए मोदी सरकार को इन्हें तेजी से लागू करना होगा. तभी बनेगी बात

RNI NO. 45823/1986 REGISTRATION NO. DLDSH-02/MP/2025-26-27, DL(ND)-11/6042/2024-25-26; LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26; FARIDABAD/46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

CamScanner

गढ़ा झटका

के. मेनन

दरअसल, दंडकारण्य के घने जंगलों में, जहां पत्तों की हर सरसराहट के साथ शिकार और शिकारी के बीच की सीमा रेखाएं धुंधली पड़ जाती हैं, अभी-अभी वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ देश की लंबे वक्त से चल रही लड़ाई का एक नाटकीय अध्याय लिखा गया. गैरकानूनी करार दी गई भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की सेंट्रल कमेटी में कद्दावर शख्सियत रहे आर.आर. प्रताप रेड्डी उर्फ चलपति का मारा जाना महज एक शख्स की मौत नहीं बल्कि उग्रवादी विद्रोह की राह में दूरगामी असर डालने वाली घटना है.

यह 62 वर्षीय माओवादी नेता और उसके 15 साथी—जिनमें छह महिलाएं भी थीं—21 जनवरी को ओडिशा की सीमा से सटे छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में रायपुर से पूर्व में 160 किमी दूर उदंती सीतानदी वन्यजीव अभयारण्य के नजदीक भीषण मुठभेड़ में मारे गए. ओडिशा में माओवादी गतिविधियां चला रहा चलपति अंततः छत्तीसगढ़ के जिला रिजर्व गार्ड, ओडिशा के स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की अहम कोबरा यूनिट की संयुक्त टीम के जाल में फंस गया. सेंट्रल कमेटी के सदस्य को खत्म करना सुरक्षा बलों के लिए कोई साधारण कामयाबी नहीं है. अक्सर माओवादी आंदोलन का दिमाग कही जाने वाली ये मायावी शख्सियतें मध्य और पूर्व भारत के विशाल तथा बीहड़ भूभाग में गुम होकर सुरक्षा बलों की पकड़ से बचती रही हैं.

जनवरी की 21 तारीख को हुई मुठभेड़ छत्तीसगढ़ में माओवादी विद्रोह के खिलाफ व्यापक, सघन और आक्रामक अभियान का हिस्सा है. 2023 के आखिरी महीनों से राज्य और खासकर हाल के वर्षों में वामपंथी उग्रवाद का नाभिकेंद्र रहे बस्तर इलाके में माओवाद-विरोधी कार्रवाइयों में उछाल आया. 2024 में कम से कम 219 माओवादी मारे गए, जो उससे पिछले साल मारे गए 20 के मुकाबले बहुत ज्यादा थे. अकेले जनवरी 2025 में ही राज्य में 48 माओवादी मारे गए.

चलपति की मौत माओवादियों के लिए बड़ा झटका है. एक करोड़ रुपए का यह इनामी अपराधी मुख्य रणनीतिकार और खूंखार शख्सियत था. आंध्र प्रदेश में रेशम उत्पादन अधिकारी से खूंखार 'सामरिक रणनीतिकार' तक चलपति का सफर विचारधारा से उपजे जोश और बेरहम महत्वाकांक्षा की कहानी है. आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले में जन्मे चलपति ने वैचारिक प्रवक्ता के तौर पर अपना सफर

खात्मे की ओर

- चलपति के मारे जाने के बाद, सीपीआइ (माओवादी) सेंट्रल कमेटी 19 सदस्यों तक सिमट गई है: 12 तेलंगाना के हैं, दो आंध्र प्रदेश के हैं. बाकी झारखंड और छत्तीसगढ़ के हैं. 2004 में इनकी संख्या 32 थी.
- इसके पोलितब्यूरो में भी केवल चार सदस्य बचे हैं. इनमें दो तेलंगाना से हैं, जहां वामपंथी उग्रवाद तकरीबन निष्क्रिय है.

CamScanner

आईडब्ल्यू 2025 का आयोजन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वावधान में भारतीय पेट्रोलियम उद्योग महासंघ (एफआईपीआई) द्वारा आयोजित किया जा रहा है. इस कार्यक्रम को ऊर्जा मंत्रालय, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, नीति आयोग और खान एवं खनिज मंत्रालय सहित अन्य प्रमुख मंत्रालयों की सक्रिय भागीदारी से लाभ मिलता है. यह संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण देश के ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र में निर्बाध सहयोग और समयबद्ध जुड़ाव सुनिश्चित करता है, और एकीकृत ऊर्जा के समाधानों के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है.

[illegible]नाइजेशन,के साथ साल 2047 तक [illegible]रत बनने की महत्वाकांक्षी विचार के [illegible]सुरक्षा और आत्मनिर्भरता है. ऊर्जा [illegible]मित क्षमता और देश में नवाचार को [illegible] एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में [illegible]र रहा है. इस रणनीतिक दृष्टिकोण को [illegible] हाइड्रोकार्बन उद्योगो के उच्चतम, मध्यम एवं न्यूनतम खंडों में किए गए पूर्व सुधारों का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है.

केंद्रीय सरकार ने परिवर्तनकारी उपाय पेश किए हैं, जिनमें कुछ क्षेत्रों पर निर्भरता कम करने हेतु कच्चे तेल की आपूर्ति में विविधता लाना, पारदर्शिता और किफायत सुनिश्चित करने के लिए गैस की कीमतों में सुधार करना, तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन विधेयक, 2024 का परिचय, और अन्वेषण एवं उत्पादन के लिए पहले से प्रतिबंधित नो-गो क्षेत्रों को खोलना शामिल हैं.

इन प्रयासों का लक्ष्य सामूहिक रूप से भारत के लिए एक स्थायी और सस्ता ऊर्जा उपलब्ध कराने के लिए भविष्य तैयार करना है .

आज भारत की प्रगति में सबसे खास बात ईंधन में बायो इथेनॉल सम्मिश्रण में तेजी से प्रगति होना है. पेट्रोल में इथेनॉल का समिश्रण प्रतिशत साल 2014 में मात्र 1.53 प्रतिशत था जबकि आज पेट्रोल में इथेनॉल का मिश्रण बढ़कर दिसंबर 2024 में 19 प्रतिशत हो गया था, और साल 2025 अंत तक इसे 20 प्रतिशत हासिल करने का लक्ष्य है. ये अहम उपलब्धि भारत को बायो इथेनॉल मिश्रण सम्मिश्रण के मामले में दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाती है, जबकि ब्राजील का स्थान प्रथम है.

भारत उर्जा सप्ताह 2025 (आईईडब्लू 25) भारत की ऊर्जा उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और वैश्विक ऊर्जा एजेंडे को आकार देने के लिए एक मंच के रूप में बेहद अहम योगदान प्रदान करता है. इससे भविष्य के लिए मजबूत रूपरेखा तैयार किया जा सकता है. आगामी दिनांक 11 से 14 फरवरी, 2025 तक नई दिल्ली के यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में

"सिर्फ दो साल में ही आइईडब्ल्यू ने वैश्विक ऊर्जा कैलेंडर पर अपनी जगह बना ली है, जिसका श्रेय भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, बढ़ते उपभोक्ता आधार और अनुकूल निवेश माहौल को जाता है, जिससे तेजी से एक महत्वपूर्ण वैश्विक ऊर्जा प्लेटफॉर्म बन गया है और लाखों डॉलर का कारोबार आकर्षित किया है और दुनिया भर के ऊर्जा पेशेवरों के लिए नए मिलन स्थल के रूप में खुद को स्थापित किया है. आईईडब्ल्यू 2025 एक हरित, स्मार्ट और ज्यादा लचीले ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में आंदोलन को और आगे बढ़ाएगा."

— हरदीप सिंह पुरी

माननीय मंत्री पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस

INDRAPRASTHA GAS

आयोजित होने वाला यह खास कार्यक्रम इस साल का सबसे व्यापक, समावेशी और पहला वैश्विक ऊर्जा समागम बनने वाला है.

वैश्विक भागीदारी और अ[illegible]

आईडब्लू का 2025 समागम के प[illegible] पैमाने और दायरे से बहुत आगे [illegible] तैयार है. इसके कुछ प्रमुख हाइला[illegible]

- 20 से अधिक विदेशी ऊर्जा मंत्रियों [illegible] मंत्रियो का प्रतिनिधित्व, जो कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं, प्रमुख ऊर्जा उत्पादकों और विकासशील देशों से जुड़े हैं.
- बीपी, टोटलएनर्जी, कतर एनर्जी, एडीएनओसी, बेकर ह्यूजेस, ए सॉनमोबिल विटोल और फॉर्च्यून जैसी 500 दिग्गज कंपनियों के 90 सीईओ और इस क्षेत्र की बहुत से वरिष्ठ अधिकारियो की उपस्थिति इस कार्यक्रम की वैश्विक प्रतिष्ठा और आकर्षण को दर्शाती है.
- दुनिया भर से120 देशों के 70,000 प्रतिनिधियों की भागीदारी, यह कार्यक्रम अपनी विशालता और वैश्विक भागीदारी के कारण कई मायने में अहम है.
- 700 से अधिक कंपनियों और संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, इटली, जापान और रूस सहित 10 देशों के पवेलियन विविध अंतर्दृष्टि और अवसर मुहैया करने वाले हैं
- कार्यक्रम में नौ अलग-अलग क्षेत्र हैं जो विभिन्न प्रकार के ऊर्जा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करते हैं. इन क्षेत्रों में भारत नेट जीरो, मेक इन इंडिया, जैव ईंधन, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल्स, एलएनजी पारिस्थितिकी तंत्र, स्टार्टअप जोन और डिजिटलीकरण और एआई और सीजीडी जोन शामिल हैं. जो आधुनिक ऊर्जा समाधानों के लिए समर्पित है.

आईईडब्ल्यू 2024 में 600 प्रदर्शक और 91 सम्मेलन आयोजित किए गए थे. इसकी तुलना में आईईडब्ल्यू 2025 प्रस्तुतियों में 29 प्रतिशत और वैश्विक भागीदारी में 24 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है.

CamScanner